No. of Printed Pages : 2

ई.एस.-345

शिक्षा में स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2014

ई.एस.-345 : हिन्दी शिक्षण प्रविधि

06273

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

निर्देश : *(i)* ***सभी*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों की भारिता* ***समान*** *है।*

नीचे दिए गए प्रश्न **1** और **2** का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

1. क्रियात्मक शोध का अर्थ एवं महत्त्व बताते हुए शोध की प्रक्रिया, विधि एवं सोपानों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

अथवा

"एक कुशल शिल्पी की भाँति शिक्षक को अपने विषय की सभी सूक्ष्म विशेषताओं का ज्ञान होना चाहिए"। प्रस्तुत कथन के सन्दर्भ में हिन्दी शिक्षक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. भाषा अधिगम की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए एवं भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

मूल्यांकन का अर्थ, आवश्यकता व महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए परीक्षणोत्तर मूल्यांकन युक्तियों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

3. नीचे दिए गए प्रश्नों में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **120** शब्दों में होना चाहिए।

(a) लिखित भाषा में वर्तनी का क्या महत्त्व है? अशुद्ध वर्तनी की मुख्य कारणों का उदाहरण देकर स्पष्ट करें।

(b) कविता शिक्षण के सामान्य उद्देश्य क्या है? उदाहरण देकर समझाइए।

(c) पठन का महत्व बताते हुए, पठन के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(d) हिन्दी भाषा की संरचना का ज्ञान उपयोगी क्यों है? उदाहरण देकर अपने मत की पुष्टि कीजिए।

(e) "श्याम पट अध्यापक का सर्वोत्तम मित्र है" हिन्दी शिक्षण के सन्दर्भ में इस कथन की पुष्टि करें।

(f) भाषा की दृष्टि से व्याकरण शिक्षा का क्या महत्त्व है?

(g) निदानात्मक परीक्षण को एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

4. नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर कम से कम **600** शब्दों में दीजिए।

नवी कक्षा में व्याकरण पढ़ाने के लिए एक शीर्षक का चुनाव कर उसकी पाठ योजना तैयार कीजिए। इसके अर्न्तगत शिक्षण विधि के सोपानों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।